पूसा में 4 दिवसीय कृषि उन्नति मेले 2018 का शुभारम्भ

पूसा संस्थान में प्रति वर्ष होने वाले कृषि उन्नति मेले का शुभारम्भ दिनांक 16 मार्च 2018 को केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह जी ने किया इस अवसर पर कृषि राज्य मंत्री माननीय श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी, श्रीमती कृष्णा राज जी एवं श्री परषोत्तम रुपाला जी भी उपस्थित थे । इस वर्ष मेले का मुख्य उद्देश्य कृषि में उन संभावनाओं का विस्तार करना है जिनसे वर्ष 2022 तक किसान की आय को दोगुना किया जा सके इसी लिए इस वर्ष के मेले का विषय "किसानों की आय 2022 तक दोगुनी" है । इस वर्ष मेले के प्रथम दिन में केवीके के 10वे नेशनल सेमिनार का उद्घाटन भी किया गया है । इस सेमिनार में देश के 681 केवीके भाग ले रहे हैं। इस सेमिनार मे 17 मार्च को प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 25 नए केवीके का शिलान्यास करेंगे ।इसके साथ ही प्रधान मंत्री जी मेले में आये किसानो, कृषि वैज्ञानिकों, और अन्य प्रतिभागियों को भी संबोधित करेंगे। समारोह में कृषि कर्मण पुरुस्कार और पंडित दींन दयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरुस्कार भी वितरित किये जाएँगे।

आज भारत डिजिटल क्रांति और मोबाइल क्रांति के दौर से गुज़र रहा है और मोबाइल कि पहुँच गाँव गाँव तक है। सूचना प्रोद्योगिकी के इस स्रोत को कृषि से जोड़ने कि शुरुआत की जा चुकी है। सरकार और किसान के बीच दो तरफा संवाद कायम करने में इन्टरनेट की अहम् भूमिका को ध्यान में रखते हुए सही समय पर सूचना देने के लिए सरकार की कई वेबसाइट, पोर्टल फ़ोन सेवाओं के साथ कृषि एसएमएस की व्यवस्था तथा कई तरह के एप शुरू किये गए हैं। कृषि अनुसन्धान एवं विस्तार सम्बन्धी जानकारियां इस मेले के प्रमुख आकर्षण हैं ।

मेले के दौरान प्रतिदिन 3 किसान वैज्ञानिक परिचर्चाओं का भी आयोजन किया जाएगा। इस प्रकार मेले के तीनो दिन में कुल 9 वैज्ञानिक-किसान परिचर्चाओं का आयोजन किया जाएगा। इन परिचर्चाओं के दौरान किसान कृषि से सम्बंधित अपनी समस्यायों का समाधान जान सकेंगे। इस मेले में विभिन्न बीजों कि बिक्री भी मेले का मुख्य आकर्षण रहती है । किसान अपने उत्पादों की बिक्री भी करते हैं एवं देश भर से आये अन्य किसानो के साथ संपर्क बना कर विभिन्न जानकारियां एवं अनुभव साझा करते हैं।

मेले में केंद्र एवं राज्य सरकारों, विभिन्न संस्थाओं द्वारा 800 से अधिक स्टाल लगाये गए हैं। स्टाल के अतिरिक्त थीम पवेलियन भी लगाये हैं जिनमे सूक्ष्म सिंचाई, नीम कोटेड यूरिया, साइल हेल्थ कार्ड एवं कम लागत से बेहतर कृषि सम्बन्धी जानकारियाँ दी जा रही हैं । इनके अतिरिक्त सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी किसानों को मुहय्या कराई जा रही है । मेले के प्रथम दिन में लगभग 25 हज़ार किसानों ने भाग लिया । इस मेले का समापन 19 मार्च को किया जाएगा ।